MAKHANLALCHATURVEDINATIONALUNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

//UNIVERSITYLIBRARY//

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:14 FEB. 2026

एमसीयू में सामुदायिक रेडियो की री-लांचिंग

52 गांवों तक गूंजेगा 'रेडियो कर्मवीर'

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर एमसीयू में विश्वविद्यालय के प्रकल्प सामुदायिक रेडियो 'रेडियो कर्मवीर' का री-लॉन्च समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में खास तौर से प्रसिद्ध चिंतक-विचारक आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज की उपस्थिति रही। अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। अपने संबोधन में कुलगुरु ने आचार्य की उपस्थिति को विश्वविद्यालय के लिए सौभाग्य बताया और रेडियो कर्मवीर टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि भविष्य में प्रसारण 8 घंटे करने का प्रयास होगा तथा इसका विस्तार 52 गांवों से ज्यादा तक सुनिश्चित किया जाएगा। आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने 'शब्द' को आकाश का गुण बताते हुए कहा कि ध्वनि माध्यम व्यक्ति को व्यापक और निष्पक्ष विस्तार देता है। उन्होंने कहा कि रेडियो का स्वरूप ऐसा है, जो सीमाओं से परे जाकर समाज के हर वर्ग तक पहुंचता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित उद्घोषक कमल शर्मा ने रेडियो कर्मवीर की आवाज दी।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA '14 FEBRUARY.2026

विश्व रेडियो दिवस पर एमसीयू में 'रेडियो कर्मवीर' का री-लॉन्च

52 गांवों तक गूंजेगी सामुदायिक रेडियो की आवाज, 8 घंटे प्रसारण का लक्ष्य

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सामुदायिक रेडियो 'रेडियो कर्मवीर' का भव्य री-लॉन्च समारोह आयोजित किया गया।

यह रेडियो प्रकल्प विद्यार्थियों द्वारा, समुदाय के लिए और समुदाय के हित में संचालित किया जा रहा है, जो पं. माखनलाल चतुर्वेदी के ऐतिहासिक 'कर्मवीर' नाम की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। समारोह में सिद्ध पीठ श्री हनुमत निवास, अयोध्या के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने अध्यक्षता करते हुए रेडियो टीम के प्रयासों की सराहना की और बताया कि भविष्य में प्रसारण अवधि 8 घंटे करने तथा 52 से अधिक गांवों तक विस्तार का लक्ष्य है। आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने 'शब्द' की शक्ति पर प्रकाश डालते हुए रेडियो को सीमाओं से परे संवाद का सशक्त माध्यम बताया। विशिष्ट अतिथि उद्घोषक कमल शर्मा ने रेडियो कर्मवीर की निरंतर प्रगति की शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ रेडियो पत्रकार सुश्री शैफाली चतुर्वेदी ने इसे 52 गांवों की सांस्कृतिक पहचान बताया। कार्यक्रम में रेडियो जॉकी अनादि की उपस्थिति ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK NAIDUNIYA'14 FEBRUARY.2026

एमसीयू में 'रेडियो कर्मवीर' फिर से शुरु, 52 गांवों तक गूंजेगी आवाज़

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में विश्वविद्यालय के प्रकल्प सामुदायिक रेडियो 'रेडियो कर्मवीर' का भव्य री-लॉन्च समारोह उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। रेडियो कर्मवीर विद्यार्थियों द्वारा, समुदाय के लिए और समुदाय के हित में संचालित एक महत्वपूर्ण प्रकल्प है, जो पं. माखनलाल चतुर्वेदी के ऐतिहासिक 'कर्मवीर' नाम की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। स्वामी विवेकानंद के आदमकद चित्र के समक्ष आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों और विद्यार्थियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। इस समारोह में ख़ास तौर से प्रसिद्ध चिंतक-विचारक एवं सिद्ध पीठ हनुमत निवास, अयोध्या के

पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। अपने संबोधन में कुलगुरु ने आचार्य की उपस्थिति को विश्वविद्यालय के लिए सौभाग्य बताया और रेडियो कर्मवीर टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बताया कि भविष्य में प्रसारण 8 घंटे करने का प्रयास होगा तथा इसका विस्तार 52 गांवों से ज्यादा तक सुनिश्चित किया जाएगा।

हर वर्ग तक पहुंचता है रेडियो

आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण ने 'शब्द' को आकाश का गुण बताते हुए कहा कि ध्वनि माध्यम व्यक्ति को व्यापक और निष्पक्ष विस्तार देता है। उन्होंने कहा कि रेडियो का स्वरूप ऐसा है, जो सीमाओं से परे जाकर समाज के हर वर्ग तक पहुंचता है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सुप्रसिद्ध उद्घोषक कमल शर्मा ने रेडियो कर्मवीर की आवाज को हवाओं में गूंजती रहने की शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ रेडियो पत्रकार शैफाली चतुर्वेदी ने कहा कि यह रेडियो भारत की श्रुति परंपरा का हिस्सा बन चुका है और 52 गांवों के लिए उनकी सांस्कृतिक पहचान जैसा बन गया है। वहीं रेडियो जॉकी अनादि की प्रेरक उपस्थिति ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। रेडियो कर्मवीर के निदेशक डॉ. आशीष जोशी ने इसे विद्यार्थियों और शिक्षकों की सामूहिक मेहनत का परिणाम बताया। री-लॉन्च के साथ सभी अतिथियों और विद्यार्थियों ने एक साथ कार्यक्रम सुनकर रेडियो के नए तेवर और कलेवर का अनुभव किया। यह पहल न केवल विद्यार्थियों की रचनात्मकता को मंच दे रही है, बल्कि समुदाय और विश्वविद्यालय के बीच संवाद का सशक्त सेतु भी बन रही है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI '14 FEBRUARY.2026

एमसीयू में 'रेडियो कर्मवीर' का री-लॉन्च

जागरण, भोपाल। विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय (एमसीयू) ने अपने सामुदायिक रेडियो 'रेडियो कर्मवीर' को नए तेवर और कलेवर के साथ री-लॉन्च किया। माखनपुरम परिसर में आयोजित समारोह में अयोध्या के आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शब्द को 'आकाश का गुण' बताते हुए कहा कि रेडियो सीमाओं से परे जाकर समाज के हर वर्ग को जोड़ता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने घोषणा की कि भविष्य में इसके प्रसारण का समय बढ़ाकर 8 घंटे किया जाएगा और इसका विस्तार 52 गांवों से भी आगे तक सुनिश्चित होगा। विशिष्ट अतिथि और प्रसिद्ध उद्घोषक कमल शर्मा व वरिष्ठ पत्रकार शैफाली चतुर्वेदी ने इसे भारत की श्रुति परंपरा का हिस्सा बताया। रेडियो कर्मवीर के निदेशक डॉ. आशीष जोशी ने इस पहल को विद्यार्थियों की सामूहिक मेहनत का परिणाम बताया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK JAGRAN '14 FEBRUARY.2026

विश्व रेडियो दिवस पर एमसीयू में सामुदायिक रेडियो कर्मवीर री-लॉन्च

52 गांवों तक गूंजेगी आवाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

विश्व रेडियो दिवस के अवसर पर माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में विवि के प्रकल्प सामुदायिक रेडियो रेडियो कर्मवीर का भव्य री-लॉन्च समारोह उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ।

रेडियो कर्मवीर विद्यार्थियों द्वारा, समुदाय के लिए और समुदाय के हित में संचालित एक महत्वपूर्ण प्रकल्प है, जो पं. माखनलाल चतुर्वेदी के ऐतिहासिक कर्मवीर नाम की परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। समारोह में खास तौर से प्रसिद्ध चिंतक-विचारक एवं सिद्ध पीठ हनुमत निवास, अयोध्या के पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण महाराज की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। अपने संबोधन में कुलगुरु ने आचार्य की उपस्थिति को विश्वविद्यालय के लिए सौभाग्य बताया और रेडियो कर्मवीर टीम के प्रयासों की सराहना की।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'HARIBHOOMI'14 FEBRUARY.2026

स्वदेश

भोपाल - संस्करण
14 Feb 2026 | Page - 4

छात्रों को दिया अत्याधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण

एमसीयू के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में एआई बेस्ट कैमरा कार्यशाला संपन्न

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में एआई बेस्ट कैमरा कार्यशाला का आयोजन किया गया। सोनी कॉरपोरेशन मैन्युफैक्चरिंग जापान के तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला में छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो कैमरा का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण सोनी से आए तकनीकी विशेषज्ञों के द्वारा दिया गया।

तकनीकी अधिकारी सोनी कॉरपोरेशन दिल्ली से आए अपाला नायडू ने तक्षशिला भवन में स्थित विवेकानंद सभागार में छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाले वीडियो कैमरा का प्रशिक्षण वीडियो के माध्यम से दिया गया। तत्पश्चात उन्होंने कैमरे की बेस्ट क्वालिटी और टूल्स को समझाने के लिए छात्रों को प्रायोगिक कार्य भी करवाया गया। कार्यशाला में सोनी हेड मध्यप्रदेश शैलेंद्र छीरा भी उपस्थित रहे। उन्होंने तकनीकी सहायता प्रदान की इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. मोनिका वर्मा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा भविष्य में आपको तकनीकी रूप से और सशक्त होना है और इस उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। विभाग से समन्वयक एमसीयू दर्शन स्टूडियो एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव गुप्ता ने संबोधित किया।

आईआरसीटीसी ने 25 ट्रेनों में शुरू की ई-पेंट्री सर्विस

भोपाल। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कैटरिंग सर्विस को बेहतर बनाने 25 मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रियों के लिए ई-पेंट्री मील्स बुकिंग सुविधा शुरू की है। इसमें वे ट्रेनें शामिल की गई, जिसमें खाना टिकट के किराए में शामिल नहीं है। रेलवे ने यात्रियों के लिए ई-पेंट्री, पेंट्री कार वाली ट्रेनों में खाना प्री-बुक करने का एक विकल्प दिया है। ई-पेंट्री सर्विस शुरू होने से पैसेंजर पहले से बुक किए अपने खाने के साथ बिना किसी परेशानी के यात्रा कर सकते हैं।

एक वर्ष की उपलब्धियों की प्रेरक फिल्म

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में एक विशेष अवसर पर विश्वविद्यालय की एक वर्ष की उपलब्धियों और पिछले एक वर्ष में हुए सकारात्मक परिवर्तनों पर आधारित फिल्म Once Upon a Year in MCU का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। यह फिल्म न केवल संस्थान की उपलब्धियों का दस्तावेज़ है, बल्कि भविष्य की दिशा को भी रेखांकित करने वाला एक रचनात्मक प्रयास सिद्ध हुई। फिल्म का निर्माण, लेखन, छायांकन और संपादन युवा फिल्मकार आदित्य कुमार चौरसिया द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने व्यक्तिगत दृष्टिकोण और सिनेमाई भाषा के माध्यम से विश्वविद्यालय की विकास यात्रा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। फिल्म में उन प्रमुख पहलों और कार्यक्रमों को शामिल किया गया है, जिन्होंने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और सांस्कृतिक पहचान को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। फिल्म में प्रसिद्ध अभिनेता पंकज त्रिपाठी की मास्टरक्लास, प्रख्यात कवि कुमार विश्वास के सत्र, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों जैसे आईपीएस हरि नारायण चारी सहित विभिन्न नौकरशाहों और नीति-निर्माताओं के संवाद, तथा केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर जैसे जनप्रतिनिधियों के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद की भित्ति-चित्र स्थापना जैसी सांस्कृतिक पहलों को भी संवेदनशीलता से दर्शाया गया। फिल्म की विशेषता यह रही कि इसमें केवल उपलब्धियों को ही नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय को और अधिक समृद्ध और छात्र-केंद्रित बनाने के लिए रचनात्मक आलोचनाओं और सुझावों को भी शामिल किया गया। इसमें शिक्षा को अधिक इंटरैक्टिव और प्रैक्टिकल-ओरिएंटेड बनाने की आवश्यकता पर विचार प्रस्तुत किए गए, जिससे वर्तमान और भावी विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार किया जा सके। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस स्क्रीनिंग में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपस्थिति रही।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RASHTRIYA HINDIMAIL'14 FEBRUARY.2026